एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उ0प्र0,
लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ।

नागरिक चार्टर

1. संस्थान का विवरण/कार्यकलाप :

एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उ0प्र0 की स्थापना वर्ष 1991 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गयी थी। पूर्व में इस संस्थान द्वारा वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण (मैकेनिकल स्ट्रीम) में 20 प्रवेश क्षमता के साथ त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान किया जा रहा था। वर्ष 2009 में मैकेनिकल स्ट्रीम में प्रवेश क्षमता 20 के स्थान पर 30 कर दी गयी। वर्ष 2011–12 से वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण (एविऑनिक्स स्ट्रीम) भी प्रारम्भ किया गया है। इस प्रकार यह संस्थान प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण का मैकेनिकल एवं एविऑनिक्स स्ट्रीम में 30–30 प्रवेश क्षमता के साथ त्रिवर्षीय डिप्लोमा प्रदान करता है। प्रशिक्षार्थियों को प्राविधिक शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित परीक्षाओं के उत्तीर्ण होने के बाद प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 का डिप्लोमा प्रदत्त किया जाता है। यह त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम ऐसा है जो महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित Basic Aircraft Maintenance Engineering Certificate (BAMEC) की परीक्षा को उत्तीर्ण करने में सहायक है। इस प्रयोजनार्थ यह संस्थान महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा भी अनुमोदित है और इस संस्थान में प्रशिक्षणार्थी छात्र प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त त्रिवर्षीय डिप्लोमा के साथ–साथ समानान्तर रूप से महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित उक्त BAMEC हेतु आयोजित परीक्षाओं में प्रतिभाग करने के लिए भी अर्ह हैं। संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता अत्यंत ही उच्चकोटि की है, जिसके कारण संस्थान वायुयान अनुरक्षण के क्षेत्र में अपना विशेष स्थान रखता है।

2. संस्थान में निर्णय लेने की प्रक्रिया :

(क) प्रवेश हेतुः–

संस्थान में उपरिलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया जाता है। प्रवेश हेतु परीक्षा संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद्, उ0प्र0 द्वारा आयोजित की

जाती है। उक्त प्रवेश परीक्षा में भारत के सभी नागरिक, जिनके पास निर्धारित न्यूनतम् अर्हता है, प्रतिभाग कर सकते हैं। इस प्रवेश परीक्षा के आधार पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद् द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की वरीयता सूची संस्थान को उपलब्ध करायी जाती है, जिसके आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है।

(ख) परीक्षाओं हेतुः–

1. डिप्लोमा परीक्षाः–

संस्थान में मेकेनिकल स्ट्रीम एंव एवियानिक्स स्ट्रीम प्रथम, द्वितीय एंव अन्तिम वर्ष के छात्रों की डिप्लोमा परीक्षा प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित की जाती है।

2. लाइसेन्स परीक्षा :–

संस्थान में एयरक्राफट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग लाइसेन्स परीक्षा महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित की जाती है। जो छात्र महानिदेशक नागर विमानन भारत सरकार द्वारा निर्धारित अर्हता पूर्ण कर लेते हैं वे इस लाइसेन्स परीक्षा में सम्मिलित होते हैं।

(ग) वित्तीय एंव प्रशासनिक कार्यः–

संस्थान के वित्तीय एंव प्रशासनिक कार्यो का सम्पादन निदेशक, नागरिक उड्डयन, उ0प्र0, जो कि संस्थान के पदेननिदेशक भी हैं, द्वारा वित्त नियंत्रक, उप निदेशक, प्रधान प्रवक्ता/मुख्य प्रवक्ता एवं अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों के सहयोग से सम्पादित किया जाता है।

3. मानकों का विवरण :–

(क) डिप्लोमा हेतुः–

संस्थान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारत सरकार तथा प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा निर्धारित मानको के अनुसार शिक्षण–प्रशिक्षण कार्य किया जाता है।

(ख) लाइसेन्स हेतुः—

संस्थान महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। अतः महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा सिविल एवियेशन रिक्वायरमेन्ट का भी पाठ्यक्रम में समावेश किया गया है।

(ग) वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्यो हेतुः—

निदेशक संस्थान के विभागाध्यक्ष घोषित हैं और उप निदेशक संस्थान के कार्यालयाध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करते हैं। समस्त वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्य सुसंगत शासनादेशों तथा वित्तीय नियम संग्रह में दिये गये मानकों के अनुसार सम्पादित किये जाते हैं।

4. संस्थान में अधिकारियों/कर्मचारियों आदि का विवरण :—

संस्थान में शैक्षिक एंव शिक्षणेत्तर अधिकारियों/कर्मचारियों के कुल 35 पद (एक पद अंशकालिक सहित) सृजित है।

5. संस्थान में उपलब्ध सूचनाओं का संकलन :—

संस्थान में ट्रेनिंग मैनुअल, इंडियन एयरक्राफट रूल्स, सिविल एवियेशन रिक्वायरमेंट्स तथा शासनादेशों के संग्रह आदि को पेपर के रूप में फोल्डर बनाकर रखा गया है।

6. जनता द्वारा सूचना प्राप्त करने की सुविधा :—

संस्थान में आम जनता को सूचना प्रत्येक कार्यदिवस में कार्यावधि के दौरान उपलब्ध करायी जा सकती है।

7. संस्थान के जन सूचना अधिकारी :—

संस्थान के जन सूचना अधिकारी एवं अपीलीय अधिकारी नामित किये गये अधिकारियों का नाम एवं पदनाम निम्नवत् हैः—

जन सूचना अधिकारी	प्रथम अपीलीय अधिकारी
नाम : श्री जी0एम0 रहनुमा, पदनाम : प्रधान प्रवक्ता, एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उ0प्र0,लखनऊ। दूरभाष : कार्यालयः (0522) 2437565, मोबाइल : 8127180085	नाम : श्री नुजहत अली, पदनाम : उप निदेशक, नागरिक उड्डयन, उ0प्र0, लखनऊ। दूरभाष : (0522) 2436504 मोबादल : 9415056048

8. **अन्य विवरण :–**

(क) **संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम :**

1. डिप्लोमा इन एयरक्राफ्ट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग(मैकेनिकल स्ट्रीम)

2. डिप्लोमा इन एयरक्राफ्ट मेन्टीनेन्स इंजीनियरिंग (एविऑनिक्स स्ट्रीम)

(ख) **संस्थान की प्रवेश–क्षमता** : 30+30 = 60 छात्र प्रतिवर्ष

(ग) **प्रवेश के लिये वांछित न्यूनतम योग्यता :**

इंटरमीडियट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण भैतिकी, रसायन एवं गणित विषयों में 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य।

(घ) **प्रवेश–परीक्षा :**

संस्थान में वायुयान अनुरक्षण अभियंत्रण के क्षेत्र में मैकेनिकल स्ट्रीम एवं एविऑनिक्स स्ट्रीम में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रत्येक स्ट्रीम में संस्थान की प्रवेश क्षमता 30 छात्र प्रतिवर्ष है। संस्थान में प्रवेश हेतु न्यूनतम् अर्हता भौतिकी, रसायन एवं गणित विषयों के साथ इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष तथा भौतिकी, रसायन एवं गणित विषयों में न्यूनतम् 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। शारीरिक रूप से परीक्षार्थियों का स्वस्थ होना भी आवश्यक अर्हता है।

(ड़) **क्या महिला अभ्यर्थी पात्र हैं** : हॉ

(च) **आरक्षण** : उत्तर प्रदेश शासन के नियमानुसार।

(छ) **प्रशिक्षण–शुल्क** :

वर्तमान में लगभग रू0 12,670/– (रूपया बारह हजार छः सौ सत्तर मात्र) प्रतिवर्ष लिया जाता है।

(ज) **छात्रावास** :

संस्थान में बालक एवं बालिकाओं के लिए अलग–अलग छात्रावास निर्मित हैं। पुरूष प्रशिक्षार्थियों के लिए छात्रावास वर्ष 1992 में बना है जो सेक्टर–एफ0, एल0डी0ए0, कानपुर रोड, लखनऊ में स्थित है तथा बालिकाओं के लिए छात्रावास वर्ष 2009–2010 में तैयार किया गया है जो हिन्द नगर स्थित संस्थान की आवासीय कालोनी के परिसर में स्थित है। छात्रावास का शुल्क वर्तमान में लगभग रू0 2300/– (रूपये दोहजार तीन सौ मात्र) प्रतिवर्ष प्रति छात्र है।

(झ) **परीक्षायें**:–

1. छात्रों को प्राविधिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा डिप्लोमा उत्तीर्ण करने पर ही परिषद् द्वारा डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। ये परीक्षायें वार्षिक आधार पर होती हैं।

2. जो छात्र महानिदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिये अर्ह होते हैं, वह उन परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। ये परीक्षायें वर्ष में तीन बार आयोजित कीजाती हैं।

3. छात्रों को उक्त परीक्षाओं हेतु परीक्षा शुल्क का भुगतान सम्बन्धित परीक्षा संस्थान को अलग से करना होता है।